अधिष्ठाता, छात्र कल्याण कार्यालय
महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

कमांकः एफ– (60) अ.छा.क./मदसविवि/2018/ दिनांकः

कार्यालय आदेश

माननीय कुलपति महोदय के आदेशानुसार विश्वविद्यालय के समस्त अनुभागों/विभागों/शोधपीठ/केन्द्रों द्वारा किए जाने वाले कार्यालयी पत्राचार में गांधी दर्शन संबंधी एक उद्धरण (Quote) का पत्र के शीर्ष अथवा तल पर अंकन करावें। यह अंकन 2 अक्टूबर, 2018 से 2 अक्टूबर, 2019 तक किया जाना सुनिश्चित करावें। इस कार्यालय आदेश के पीछे गांधी दर्शन संबंधी कुछ उद्धरण अंकित हैं।

EO
अधिष्ठाता, छात्र कल्याण

कमांकः एफ– (60) अ.छा.क./मदसविवि/2018/23637–70 दिनांकः 29.9.18
प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रस्तुत है–

1. समस्त विभागाध्यक्ष/निदेशक/प्रभारी, मदसविवि, अजमेर।
2. मुख्य कुलानुशासक/समस्त सह आचार्य, मदसविवि, अजमेर।
3. वित्त नियंत्रक/परीक्षा नियंत्रक, मदसविवि, अजमेर।
4. प्रभारी, एन.एस.एस./वार्डन, नचिकेता छात्रावास एवं गार्गी महिला छात्रावास, मदसविवि, अजमेर।
5. समस्त उपकुलसचिव/ए.सी.पी., मदसविवि, अजमेर।
6. समस्त सहायक कुलसचिव/लेखाधिकारी/विश्वविद्यालय अभियन्ता/प्रबन्धक अतिथिगृह/प्रभारी हैल्थ सेन्टर/सचिव, स्पोर्ट्स बोर्ड, मदसविवि, अजमेर।
7. निजी सचिव–कुलपति/निजी सहायक–कुलसचिव, मदसविवि, अजमेर।

अधिष्ठाता, छात्र कल्याण

"अगर संसार में बदलाव देखना चाहते हो तो खुद को बदलो"
–महात्मा गांधी

Gandhi Thoughts

1. खुशी वही है जब आपकी सोच, आपके शब्द और आपके कर्मों में तालमेल हो
2. मेरा जीवन ही मेरा सन्देश है
3. कमजोर कभी माफ नहीं कर सकता, माफ करने के लिए बहुत ताकत की ज़रूरत है कमज़ोर लोग माफ नहीं कर सकते
4. एक देश की सभ्यता उसके नागरिकों के दिल में रहती है
5. क्रोध और सहन न करना समझदारी के दुश्मन हैं
6. किसी भी देश की महानता इस बात से नापी जा सकती है कि वहां जानवरों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है
7. दुनिया में संसाधन आदमी की ज़रूरतों के लिए पर्याप्त हैं पर लालच के लिए नहीं
8. आदमी उसी पल महान बन जाता है जब वो दूसरों की सेवा में लग जाता है
9. अपने आप को पाने का सही तरीका है कि अपने को दूसरों की सेवा में लगा दो
10. ऐसे जियो कि कल तुम मरने वाले हो और ऐसे सीखो जैसे तुम कभी मरोगे ही नहीं
11. अगर संसार में बदलाव देखना चाहते हो तो खुद को बदलो
12. एक कायर आदमी कभी प्रेम नहीं दे सकता इसके लिए एक बहादुर की ज़रूरत है
13. जहां प्रेम है वहीं जीवन है
14. एक आदमी अपने विचारों से ही बनता है वो जो सोचता है वही बन जाता है
15. किसी चीज़ में विश्वास करना पर अपने जीवन में उसे नहीं उतारना बेमानी है
16. जो चीज़ इंसान बदल नहीं सकता उसके लिए बस प्रार्थना करनी चाहिए
17. तुम जो भी करते हो, हो सकता है वो अवगणित हो पर तुम ने किया तो
18. यह स्वास्थ्य ही है जो सच्चा धन है न कि सोना, चांदी
19. तुम्हें मानवता में विश्वास रखना चाहिए। मावता एक समुद्र की तरह है, जिसमें कुछ बून्द गन्दी हो सकती है पूरा समुद्र नहीं
20. शांति का और कोई रास्ता नहीं है, केवल शांति ही है
21. मौन सबसे शक्तिशाली भाषण है, धीरे–धीरे सारी दुनिया आपको सुनेगी
22. विश्व के सभी धर्म, भले ही और चीजों में अंतर रखते हों, लेकिन सभी इस बात कहते हैं कि दुनिया में केवल सत्य ही जीवित रहता है
23. मैं मारने को तैयार हूं, पर ऐसी वजह भी तो हो कि मैं मरने को तैयार हूं
24. सत्य कभी उसे क्षति नहीं पहुंचाता जो उचित है
25. प्रार्थना सुबह की चाबी है और शाम की रौशनी
26. मैं किसी को भी अपने गंदे पांव के साथ अपने मन से नहीं जाने दूंगा
27. मेरी अनुमति के बिना कोई भी मुझे नुकसान नहीं पहुंचा सकता
28. जो जानते हैं कैसे सोचना चाहिए उन्हें किसी टीचर की ज़रूरत नहीं होती
29. सात बड़े पापः काम के बिना धन, त्याग के बिना पूजा, मानवता के बिना विज्ञान, अंतरात्मा के बिना सुख, नैतिकता के बिना व्यापार, चरित्र के बिना ज्ञान, सिद्धांत के बिना राजनीति
30. सुबह का पहला काम ये करें कि संकल्प करें कि– मैं दुनिया में किसी से डरूंगा नहीं। मैं केवल भगवान से डरूं। मैं किसी के प्रति बुरा भाव न रखुं। मैं किसी के अन्याय के समक्ष झुकुं नहीं। मैं सभी कष्टों को सह सकूं। मैं असत्य को सत्य से जीतूं। और असत्य का विरोध करते हुए
31. तुम मुझे जंजीरों में जकड़ सकते हो, यातना दे सकते हो, यहां तक कि तुम मेरे श्रीर को नष्ट कर सकते हो, लेकिन तुम कभी मेरे विचारों को कैद नहीं कर सकते